मैड़स्

ओन-पेन्नि

जुलाइ 2025

प्रकाशन -1

ओपरोल लेक

एपड़ु ओना कोड़तनादि

अबेटकि ओना कोड़तनादि। मेड़लोकि निरु रिन्डपोहोन्दि, कोत्ति उत्तलु जिलतोहोलो, मननि चोटलु पाच्क एपोतोहोइ। मरि अबेटकि मौसमा सकनि बेत्तानकि समया ओन्डादि। सानेन्नि बेमारलो इ ओनतोति बेगोत्तोनाइ, दिनुच्चि सापनि ओन्डाला। इपड़ु उतनेनि ओनतोति ताड़स्कानि बाच्चु मननि मेच मेच कोड़ु तिन्नु ताकि ओल्लु बाड़िहा ओन्दाला। इ ओनतोति लेनतोति मननि बोड़तोति सावधान उन्डु।

मुख्या लेखन: "हेपड़ू ओन कोडतोदि"

सवनेनि ओन ओतोदि। मालकि निरू दोरतोहोदि,कोत्तिइ उतलू जेलातोलु,चोटलु मोकालु मान नि पाचनि ओपोतुनाइ। आकनि ओन दि मौसम सामलिकोट बेतकि कि समय ओड़दि।

ओनलोकि हेट चेतकि ओडदे:

1. निलू काशी या छनी तागडी
2. बोदलोकी नेतनकि मोट चोपालू या जुताय जरूर एटकोठी
3. इट देगडी निलू जाम ना होकाल-दिनतोनि दोलू,ओटू आकनि डेंगू होतोदी
4. मेडलोकि पेनि चेसी पेचा सोकलु दोकडि
5. खारनी कामेताकि आलतुते समयनि सोकलु आकनि कुडू पुटकोडी

समझदारि से होटेनि, ओन मादी सेगिया बानपोतोदी।

सतारौ: "किसन आकनि गोडगू"

पेदि पाटलौ किसन ओनलोनि बिन गोडगू स्कूलकि एलडू। तेसापोनाडू आकनि बिमार होपोनाडू इपडू।
आडू गोडगू इपलि मेसकटोनाडू आकनि मेरोक मेसकि ताकलेनि सौडता दिलीतोडु।
अब किसन छाता कभी नहीं भूलता। और दूसरों को भी याद दिलाता है।

- सिखि: ओनलोनि नुउ सामलू आकनि मेरोकमेसदी मदद चेइ
- **नुबु एटानानि एरगोओन्डाबा?**

- तेड़स्पोताउ आपड़ु एन्डपोन सोकलो दोरको
- ओक सोरलोकि उड़ग निलु पुटकोनि अलो उपकलु पेड़िच्चि नोड़लोपोसि घरघरि - गोतकानि बड़िहा ओन्डादि।

सिकि - अड़को - बनिच्चि

पेलकि ओल: | | गोडगू|

| | ओन|

| | नेताकलू|

| | मोक्का|

चित्र बनियन्डि:

- ओक पुलु

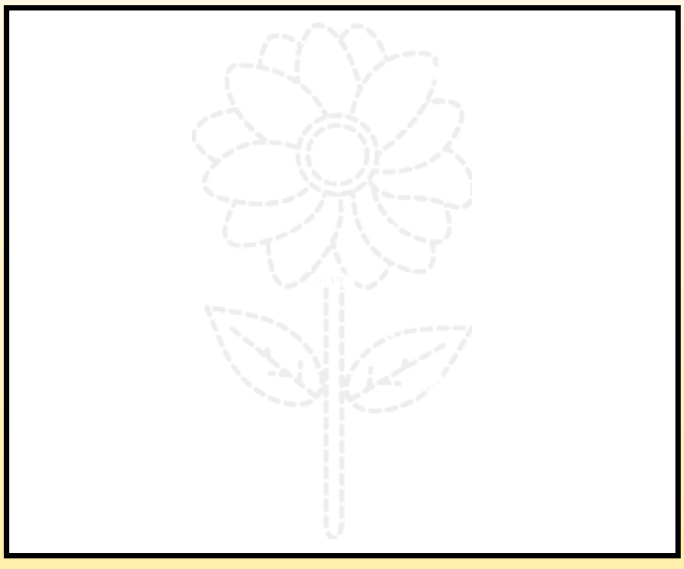

नोएन्दपोन्दि काकु

ओकजोब्बु माट उनिन्दि,
नोरेन्डपोदि काकु निल
ताताकि एगरतुनिन्दि।

दनबादा ओक देकरा निकोन्दा
अपड़िदि दालोकि कुसलनिलु उन्डाइ।
काकुनि निल ताताकि नि
कोउसिस चेसिदि।
तबोले दनदेगरितकले नोल तके एबरलदु।

ताहाले समजदारिसेनि कोन्डलोकि नि
राइलु चिनचेननि राइलु पिरात्ताकिनि
कोउसिस चेसिदि ताहाले निलु पेकिनि
साकोनाइ।

ताहाले काकि नि निल तागि कुस एपोइनि
एगरपोइ पोइदि।

इ काहानि माकि समस्यादि हाल एनताकिनि बुद्दिमानि दैरिया चेत्ताकि माहात्व सिकेत्तनादि।

प्रस्न:

1) काकु एलागि निल तागिदा?

ईच्छा: ईच्छा एक मासिक पत्रिका हे जो ओपरोल समाज को पड़ाई में अगे बड़ने के लिये मदत करता हे। वे ओपरोल समाज के लोगोको ओपरोल भाषा पड़ने ओर सिखने के लिये मदत करता हे। ये बाच्चे ओर जाबान लोगो को ध्यान में राखते हुये बानाया गेया हे, ता कि वह समाज के बाकि लोगो को भि शिखने के लिये मदत करे।

इस पत्रिका कि अधिकतर भाग अनलाईन से लिया गया हे। अगर आपको भि कुछ इसमे लिखके प्रकाश करना हे तो हामसे सम्पर्क करे।